लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.56

21 जून, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

राष्ट्रीय वस्त्र नीति

56. श्री जयदेव गल्लाः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की कोई एक व्यापक वस्त्र नीति है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और विज़िन दस्तावेज क्या है;

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है और सरकार द्वारा राष्ट्रीय वस्त्र नीति पर कब तक विचार किए जाने की संभावना है;

(ग) क्या सरकार ने ध्यान दिया है कि वर्ष 2005 में बहु-रेशा समझौता समाप्त किए जाने के बावजूद भी वस्त्र निर्यात में वृद्धि नहीं हुई है और कम होकर 12 प्रतिशत पर आ गयी है जो वर्ष 1996 के निर्यात का आधा है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है/किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) और (ख): राष्ट्रीय वस्त्र नीति, 2000 एक व्यापक नीतिगत दस्तावेज है जिसके उद्देश्य निम्नलिखित हैं:-

i. लोगों की बढ़ रही आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्वीकार्य मूल्यों पर अच्छी गुणवत्ता वाले कपड़े का उत्पादन करना।

ii. निरंतर संपोषणीय रोजगार के प्रावधान और देश के आर्थिक विकास में योगदान करना; और

iii. विश्व बाजार में हिस्सेदारी की वृद्धि करने के लिए आत्म विश्वास के साथ प्रतिस्पर्धा करना।

एनटीपी 2000 के प्रबलित क्षेत्र हैं; रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना, प्रौद्योगिकी उन्नयन, उत्पादकता में वृद्धि, गुणवत्ता में सुधार, कच्ची सामग्री के आधार का सशक्तिकरण, उत्पाद विविधीकरण और निर्यात में वृद्धि।

(ग): 2005 में मल्टी फाइबर करार के समाप्त होने के बाद भारत का वस्त्र और अपैरल निर्यात वर्ष 2005-2006 में 17.5 बिलियन अमरीकी डॉलर से 5.7 सीएजीआर बढ़कर वर्ष 2018-19 में 36.6 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है।

(घ): प्रश्न नहीं उठता।

*****